

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मंडल गवालियर केम्प सिंगर

क्र. 3860 - I/14

ea. 201

मईयादीन तनय श्री वंशु लोधी
निवासी ग्राम जमनिहां तह. चंदला
जिला छतरपुर

निगरानीकर्ता

B.C.R.

7 OCT 2014

विरुद्ध

म.प्र.शासन

आवेदक

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू राजस्व संहिता 1959

उपरोक्त नामांकित निगरानीकर्तागण न्यायालय श्रीमान् अपर कलेक्टर छतरपुर के द्वारा पारित आदेश दिनांक 13/8/14 से दुखित होकर निम्न आधारों संहित अन्य आधारों पर अपनी यह निगरानी श्रीमान् के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं :-

1. यह कि, प्रकरण के संक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम सड़कर स्थित भूमि खसरा क्र 39, 42/2, 45, 49/1 रकवा क्रमशः 0.380, 0.332, 0.607, 0.257 है भूमि पर निगरानीकर्ता के पूर्वजो एवं निगरानीकर्ता का 2/10/1984 के पूर्व से कब्जा होने के कारण दखलरहित अधिनियम के अंतर्गत निगरानीकर्ता द्वारा भूमि के व्यवस्थापन हेतु एक आवेदन पत्र नायब तहसीलदार बछौन के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसके आधार पर नायब तहसीलदार द्वारा प्रकरण क्र 83/अ-19/87-88 पंजीबद्ध कर दिनांक 22/2/89 को अपना विधि संमत आदेश पारित कर निगरानीकर्ता के पक्ष में व्यवस्थापन आदेश पारित किया गया। निगरानीकर्ता वादग्रस्त भूमि पर विगत 40 वर्ष से काबिज है तथा उसके द्वारा अत्याधिक धन व्यय कर व परिश्रम से भूमि को काबिल कास्त बनाया है परंतु अपर कलेक्टर द्वारा करीब 22 वर्ष की लंबी अवधि पश्चात् अधीक्षक भू अभिलेख से मनमाने तौर पर जांच कराकर प्रकरण को इतनी लंबी अवधि पश्चात् बिना किसी क्षेत्राधिकार के स्वमेव निगरानी में पंजीबद्ध कर दिनांक 13/8/14 को अपना विधि विपरीत आदेश पारित किया है जिससे परिवेदित होकर निगरानीकर्ता की यह निगरानी सशक्त आधारों पर श्रीमान् के समक्ष प्रस्तुत है।

17-11-14

(3)

J. K. Fair

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुबृति आदेश पृष्ठ

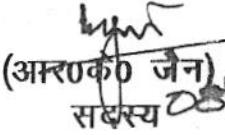
प्रकरण क्रमांक निगरानी 3860—एक / 2014

जिला छतरपुर

मईयादीन

विरुद्ध

मोप्र० शासन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमानिकों के हस्ताक्षर
08—03—2019	<p>प्रकरण प्रस्तुत। आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर कलेक्टर जिला छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 132/स्वमेव निगरानी/अ—19/2012—13 में पारित आदेश दिनांक 13—8—2014 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। मोप्र० भू—राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25—9—2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण आयुक्त सागर संभाग के न्यायालय को अंतरित किया जाता है।</p> <p>2/ पक्षकार दिनांक 06—05—2019 को आयुक्त सागर के न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित हों।</p> <p></p> <p style="text-align: right;">  (अस्त्रणक० जैन) सदस्य ०५ ३१९ </p>	